Vol 2 Issue 1 Feb 2012

ISSN No : 2230-7850

International Multidisciplinary Research Journal

Indian Streams Research Journal

Executive Editor
Ashok Yakkaldevi

Editor-in-Chief
H.N.Jagtap

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Manichander Thammishetty
Ph.d Research Scholar, Faculty of Education IASE, Osmania University, Hyderabad.

Mr. Dikonda Govardhan Krushanahari
Professor and Researcher ,
Rayat shikshan sanstha's, Rajarshi Chhatrapati Shahu College, Kolhapur.

International Advisory Board

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

......More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.org

Indian Streams Reserach Journal
Vol.2,Issue.I/Feb; 12pp.1-4 दीपक तरेटिया[1] ISSN:-2230-7850

Research Papers

निजी एवं सार्वजनिक बैंकों के मानव संसाधन प्रबंध का तुलनात्मक अध्ययन

दीपक तरेटिया[1] , मिनाक्षी मण्डलोई[2]
[1]शोधार्थी ,शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इन्दौर (म.प्र.).
[2]शोधार्थी ,शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय,इन्दौर (म.प्र.).

प्रस्तावना –

कोई भी संगठन मानव संसाधन के बिना कुछ भी नही है। विभिन्न संगठन जो सेवाएँ या वस्तुएँ प्रदान करते है, यह सभी इनकों संचालित करने के लिए व्यक्तियो पर निर्भर है। प्राकृतिक संसाधनों की तुलना में मानवीय संसाधन अधिक बहुमूल्य है, प्रत्येक संगठन के मानव संसाधन की गुणवत्ता ही उसके भावी विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते है।

मानव संगठन प्रबंध मनुष्य की क्रियाओं से संबंधित होने के कारण किसी भी संगठन के धरोहर माने जाते है। मानव ही विभिन्न कार्यों को समायोजित कर अपने भविष्य का निर्माण करते है। भारत जो संपूर्ण विश्व में महाशक्ति के रूप में जाना जाता है। भारत देश में विश्व के अन्य देशों की तुलना में सर्वाधिक मानव संसाधन उपलब्ध है जिसके कारण मानवीय संसाधनों की उपलब्धता के लिए भारत देश सर्वअग्रणी देश के रूप में जाना जाता है ऐसे विशाल भारत देश की अर्थव्यवस्था की प्रमुख रक्त धमनियाँ बैंकों को माना जाता है जो संपूर्ण देश में वित्त का संचालन एवं नियंत्रक रूप में कार्य करती है इनकी सहायता से देश में वित्त व्यवसाय संचालित होता है तथा समस्त साख व्यवस्था संचालित होती है।

आज संपूर्ण विकास मानव संसाधन की ही देन है जो कि, मानव संसाधन के मजबूत कंधों पर ही आधारित है मानव संसाधन ही किसी भी व्यवसाय का निर्माण संचालन तथा लक्ष्य प्राप्ति में प्रमुख सहायक होता है। फिर भी ये मानव संसाधन सदैव अपने कार्यों में लीन रहते है जितना कुछ मिलता है उसमें संतोष कर लेते हैं यहाँ पर मानव संसाधन का उल्लेख हुआ है जिसके कार्यो की महत्ता को एक प्रसिद्ध कवि की पंक्तियों द्वारा उल्लेखित किया जा सकता है मै मजदूर हूँ मुझे देवों की धरती से क्या जो यह प्रदर्शित करती है कि मानव संसाधन प्रबंध निःस्वार्थ भाव से मजदूर के रूप में अपना कर्म करना ही अपना कर्तव्य समझते है उन्हें जो कुछ मिलता है वह उसी में खुशी से जीवन यापन करते है पर क्या मानव संसाधन नियोजन के स्वामी का दायित्व नहीं बनता है कि जिन कर्मचारियों के बल पर वे इतना लाभ अर्जित करते है तो उन्हें उनका न्यायोचित हित एवं सुविधाएँ दी जाए ? उन्हें कार्य करने के लिए सुरक्षित एवं स्वस्छ वातावरण उपलब्ध कराया जावे उनके साथ मानवोचित व्यवहार करना भी उतना ही जरूरी है जितना कि समय पर उन्हें वेतन का भुगतान करना।

मानव संसाधन प्रबंध एक विभागीय उत्तरदायित्व है यह भावना के विकास का आपसी तालमेल सहयोग एवं सहकारी भावना के विकास का प्रयत्न करता है। प्रबंधक यह पता लगाना चाहते है कि, कर्मचारी ठीक से कार्य निष्पादन कर रहे हे या नही इसके लिए क्या करना चाहिए ? क्या आज के कर्मचारियों को कार्य के लिए इस प्रकार से तैयार किया जा रहा है जिनकी संगठन को आवश्यकता दस, बीस या तीस वर्षो बाद होगी। इन सभी प्रश्नों के समाधान के लिए वर्तमान समय में विभिन्न संगठनों ने मानव संसाधन प्रबंध एवं इसके विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

अतः संक्षेप में मानव संसाधन प्रबंध एक प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत मनुष्य (श्रम) की प्राप्ति, विकास (प्रशिक्षण द्वारा) अभिप्रेरणा, मूल्यांकन व उन्हे बनाये रखने का कार्य किया जाता है।

प्रस्तुत शोध पत्र के माध्यम से निजी एवं सार्वजनिक बैंकों के मानव संसाधन प्रबंध का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है।

उद्देश्य –

शोधार्थी के इस शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य निजी बैंक तथा सार्वजनिक बैंक का मानव संसाधन प्रबंध की तुलना करना है ? तथा कर्मचारियों व अधिकारियों के संतुष्टि स्तर को ज्ञात करना है ?

परिकल्पना :–

1.निजी बैंक की तुलना में सार्वजनिक बैंक का मानव संसाधन प्रबंध अधिक प्रभावशाली है।
2.निजी बैंकों की तुलना में सार्वजनिक बैंक कर्मचारियों व अधिकारियों को संतुष्टि प्रदान करने में अधिक सफल हुए है।

उपरोक्त शोध पत्र की अध्ययन की पुष्टि हेतु निजी बैंक तथा सार्वजनिक बैंक के 20–20 कर्मचारियो व अधिकारियों से प्रश्नावली के माध्यम से निम्न प्रश्न पूछे गये –

	निजी बैंक		सार्वजनिक बैंक	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
संतुष्ट	10	50	14	70
पूर्णतः संतुष्ट	02	10	03	15
असंतुष्ट	05	25	02	10
पूर्णतः असंतुष्ट	03	15	01	05
	20	100	20	100

स्त्रोत – प्रश्नावली विधि से प्राप्त जानकारी के अनुसार।

2. बैंक में प्रतिदिन कार्य अवधि से संतुष्टि स्तर –

	निजी बैंक		सार्वजनिक बैंक	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
संतुष्ट	07	35	12	60
पूर्णतः संतुष्ट	03	12	04	20
असंतुष्ट	06	30	03	15
पूर्णतः असंतुष्ट	04	20	01	05
	20	100	20	100

स्त्रोत – प्रश्नावली विधि से प्राप्त जानकारी के अनुसार।

3.बैंक के आंतरिक वातावरण से संतुष्टि स्तर –

	निजी बैंक		सार्वजनिक बैंक	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
संतुष्ट	09	45	13	65
पूर्णतः संतुष्ट	03	15	04	20
असंतुष्ट	04	20	02	10
पूर्णतः असंतुष्ट	04	20	01	05
	20	100	20	100

स्त्रोत – प्रश्नावली विधि से प्राप्त जानकारी के अनुसार।

4.बैंक से प्राप्त वार्षिक अवकाश से संतुष्टि स्तर –

	निजी बैंक		सार्वजनिक बैंक	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
संतुष्ट	10	50	14	70
पूर्णतः संतुष्ट	02	10	03	15
असंतुष्ट	05	25	01	05
पूर्णतः असंतुष्ट	03	15	02	10
	20	100	20	100

स्त्रोत – प्रश्नावली विधि से प्राप्त जानकारी के अनुसार।

5.बैंक द्वारा मानव संसाधन विकास एवं नियोजन हेतु किये जाने वाले प्रयास –

	निजी बैंक		सार्वजनिक बैंक	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
संतुष्ट	06	30	01	05
पूर्णतः संतुष्ट	08	40	06	30
असंतुष्ट	04	20	08	40
पूर्णतः असंतुष्ट	02	10	05	25
	20	100	20	100

स्त्रोत – प्रश्नावली विधि से प्राप्त जानकारी के अनुसार।

बैंक के कर्मचारियों एवं अधिकारियों से पूछे गये प्रश्नों से प्राप्त निष्कर्ष इस प्रकार है :–

1.निजी बैंक के 60 प्रतिशत कर्मचारी व अधिकारी बैंक प्रबंधन से प्राप्त वित्तीय अभिप्रेरणा से संतुष्ट है जबकि सार्वजनिक बैंक के 85 प्रतिशत कर्मचारी व अधिकारी बैंक प्रबंधन से प्राप्त वित्तीय अभिप्रेरणा से संतुष्ट है, जो कि, निजी बैंकों की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है

2.निजी बैंकों में प्रतिदिन कार्य अवधि को लेकर 50 प्रतिशत कर्मचारी व अधिकारी संतुष्ट वही सार्वजनिक बैंकों में प्रतिदिन कार्य अवधि को लेकर 80 प्रतिशत कर्मचारी व अधिकारी संतुष्ट है, जो कि, निजी बैंकों की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक है।

3.निजी बैंक के 60 प्रतिशत कर्मचारी व अधिकारी बैंक से आंतरिक वातावरण से असंतुष्ट है तथा 40 प्रतिशत कर्मचारी बैंक के आंतरिक वातावरण से असंतुष्ट है। वही सार्वजनिक बैंक के 85 प्रतिशत कर्मचारी व अधिकारी बैंक के आंतरिक वातावरण से संतुष्ट है। तथा 15 प्रतिशत कर्मचारी व अधिकारी बैंक के आंतरिक वातावरण से असंतुष्ट है।

4.निजी बैंक के 60 प्रतिशत कर्मचारी बैंक से प्राप्त वार्षिक अवकाश से संतुष्ट है। वहीं सार्वजनिक बैंकों के 85 प्रतिशत कर्मचारी व अधिकारी बैंक से प्राप्त वार्षिक अवकाश से संतुष्ट है। जो कि निजी बैंकों की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है।

5.निजी बैंक के 20 प्रतिशत कर्मचारियों का मत है कि, बैंक द्वारा मानव संसाधन विकास हेतु साधारण से अधिक प्रयास किये जाते है। जबकि सार्वजनिक बैंक के 40 प्रतिशत कर्मचारियों व अधिकारियों का मत है कि बैंक द्वारा मानव संसाधन विकास एवं नियोजन हेतु साधारण से अधिक प्रयास किये जाते है।

इस प्रकार उपरोक्त निष्कर्ष से यह ज्ञात होता है कि, सार्वजनिक बैंक द्वारा निजी बैंक की तुलना में मानव संसाधन को अधिक संतुष्टि प्रदान की जाती है।

उपसंहार –

निजी बैंकों तथा सार्वजनिक बैंकों के मानव संसाधन प्रबंध का तुलनात्मक अध्ययन विषय के संदर्भ में जब निजी बैंक तथा सार्वजनिक बैंक के कुछ कर्मचारियों व अधिकारियों से प्रश्न पूछे गये तब यह पाया गया कि, सार्वजनिक बैंक द्वारा निजी बैंकों की तुलना में कर्मचारियों व अधिकारियों को अधिक संतुष्टि प्रदान की गई है। प्रत्येक संगठन के मानव संसाधन विकास की गुणवत्ता ही उसके भावी विकास की महत्वपूर्ण कड़ी है। मानव संसाधन प्रबंध मनुष्य की क्रियाओं से संबंधित होने के कारण ही किसी भी संगठन ही मुख्य धरोहर माने जाते है। मानव संसाधन प्रबंधन द्वारा ही विभिन्न कार्यो को समायोजित कर अपने भविष्य का निर्माण किया जाता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1.मानव संसाधन प्रबंध – डॉ. एस.पी. गुप्ता, डॉ. एस.सी. जैन, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा 2010

2.भारतीय बैंकिंग अधिनियम – डॉ. सिन्हा, इन्दुबाला, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा, 2004

3.मानव संसाधन प्रबंध – डॉ. प्रभाकर झा, एस.बी.पी. आगरा – 2004

अन्य –

1.www.sbi.com
2.www.icici.com
3.www.hdfc.nic.com
4.www.boi.com

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- Google Scholar
- EBSCO
- DOAJ
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Indian Streams Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.org